AMAR UJALA
9-2-2020

वन विकास के लिए साथ आए दो संगठन

माई सिटी रिपोर्टर

आईसीएफआरई और आईयूएफआरओ के बीच हुए 10 वर्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर

देहरादून। वैश्विक वन स्थिरता को हासिल करने के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) देहरादून और अंतरराष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान संगठन (आईयूएफआरओ) वियना ऑस्ट्रिया के बीच 10 वर्षीय एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर हुए हैं।

आईयूएफआरओ 127 देशों में विस्तृत और लगभग 650 सदस्य संगठनों से समृद्ध एक वैश्विक नेटवर्क है। जो दुनिया भर के 20 हजार वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के साथ मिलकर वन विज्ञान और लोगों को जोड़ते हुए वन विज्ञान सहोद्योग के लिए कार्य करता है।

वानिकी से संबंधित दोनों संगठन एक साथ वैश्विक स्तर पर सतत विकास के लिए वन और वानिकी के योगदान को बढ़ाने, जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की समस्या से मुकाबला करने और भूमि क्षरण की रोकथाम की दिशा में एक साथ काम करेंगे। दोनों संगठन वनों से संबंधित विज्ञान को नीति और क्रियान्वयन से जोड़कर वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में भी हैं।

यह समझौता मानव कल्याण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता लक्ष्यों सहित वन स्थिरता को आगे बढ़ाने के साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के संबंध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एमओयू में आईसीएफआरई के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला और आईयूएफआरओ के अध्यक्ष डॉ. जॉन पैरोटा ने हस्ताक्षर किए।

DAINIK BHASKAR
9-2-2020

वन व वानिकी को बढ़ाने में मिलेगा सहयोग

- आईसीएफआरई व आईयूएफआरआ के बीच हुआ एमओयू

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। वैश्विक वन स्थिरता को प्राप्त करने के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून, भारत और अंतर्राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान संगठन (आईयूएफआरओ), विधना, ऑस्ट्रिया के बीच एक दस वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौता ज्ञापन से औपचारिक सहयोग स्थापित करने में मदद मिलेगी और इससे दोनों ही एक दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठा सकेंगे।

वानिकी से संबंधित दोनों संगठन एक साथ वैश्विक स्तर पर सतत विकास के लिए वन और वानिकी के योगदान को बढ़ाने, जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की समस्या से मुकाबला करने और भूमि क्षरण की रोकथाम की दिशा में एक साथ काम करेंगे। आईसीएफआरई और आईयूएफआरओ, वनों से संबंधित विज्ञान को नीति और क्रियान्वयन से जोड़कर वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में भी हैं। यह समझौता मानव कल्याण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता लक्ष्यों सहित वन स्थिरता को आगे बढ़ाने के साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के संबंध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समझौता ज्ञापन पर महानिदेशक आईसीएफआरई डॉ. एससी गैरोला और अध्यक्ष आईयूएफआरओ डॉ. जॉन पैरोटा, ने हस्ताक्षर किए।

संबोधित करते आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. एससी गैरोला।

DAINIK JAGRAN
9-2-2020

आइसीएफआरई व वानिकी संगठन ने मिलाए हाथ

देहरादून: भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) और अंतरराष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान संगठन (आइयूएफआरओ), ऑस्ट्रिया के बीच समझौता हस्ताक्षरित (एमओयू) किया गया है। 10 वर्षीय इस समझौते में दोनों एजेंसी वैश्विक स्तर पर वानिकी अनुसंधान को विस्तार देने का काम करेंगी। एमओयू पर आइसीएफआरई के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला और आइयूएफआरओ के अध्यक्ष जॉन पैरोटा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर जॉन पैरोटा ने कहा कि उनका नेटवर्क 127 देशों में फैला है और करीब 650 संगठन इसका हिस्सा हैं। जिसमें 20 हजार से अधिक विज्ञानी व विशेषज्ञ वन विज्ञान के साथ लोगों को जोड़कर काम कर रहे हैं। वहीं, आइसीएफआरई के महानिदेशक डॉ. गैरोला ने कहा कि समझौते के माध्यम से दोनों एजेंसी एक दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठा सकेगी। दोनों संगठन एक साथ वैश्विक स्तर पर सतत् विकास के लिए जैवविविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, भूमि क्षरण की समस्याओं पर काम करेंगे। साथ ही यह समझौता वानिकी अनुसंधान के सभी लक्ष्यों की पूर्ति कर सकेगा। (जास)

GARH SAMVEDNA
9-2-2020

वैश्विक वन स्थिरता को आईसीएफआरई व आईयूएफआरओ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

देहरादून, गढ़ संवेदना संवाददाता। वैश्विक वन स्थिरता को प्राप्त करने के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून, भारत और अंतर्राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान संगठन (आईयूएफआरओ), वियना, ऑस्ट्रिया के बीच एक दस वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

आईयूएफआरओ 127 देशों में विस्तृत तथा लगभग 650 सदस्य संगठनों से समृद्ध एक वैश्विक नेटवर्क है जो दुनिया भर के 20,000 वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के साथ मिलकर वन विज्ञान और लोगों को जोड़ते हुये वन विज्ञान सहोद्योग के लिए कार्य करता है। इस समझौता ज्ञापन से औपचारिक सहयोग स्थापित करने में मदद मिलेगा और इससे दोनों ही एक दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठा सकेंगे। वानिकी से संबन्धित दोनों संगठन एक साथ वैश्विक स्तर पर सतत विकास हेतु वन और वानिकी के योगदान को बढ़ाने, जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की समस्या से मुकाबला करने और भूमि क्षरण की रोकथाम की दिशा में एक साथ काम करेंगे। आईसीएफआरई और आईयूएफआरओ, वनों से संबंधित विज्ञान को नीति और क्रियान्वयन से जोड़कर वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में भी हैं। यह समझौता मानव कल्याण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता लक्ष्यों सहित वन स्थिरता को आगे बढ़ाने के साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के संबंध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समझौता ज्ञापन पर डॉ. एस.सी. गैरोला, महानिदेशक आईसीएफआरई और डॉ. जॉन पैरोटा, अध्यक्ष, आईयूएफआरओ ने हस्ताक्षर किए।

THE HAWK
9-2-2020

MoU Between ICFRE, Dehradun, India & IUFRO, Vienna, Austria

Dehradun: A ten year Memorandum of Understanding (MoU) has been signed on 7th February, 2020 between Indian Forestry Research & Education (ICFRE), Dehradun, India and International Union of Forestry Research Organization (IUFRO), Vienna, Austria to achieve global forest sustainability. IUFRO is a global network for forest science co-operation inter connecting forests science and people comprising approximately 650 member organisation in 127 countries, brining together 20,000 scientists and experts from around the globe. The MoU will establish formal collaboration and leverage their capabilities. The two forestry organizations will work together towards enhancing contribution of forests and forestry for sustainable development, biodiversity conservation, combating climate change and land degradation globally. ICFRE and IUFRO are also in a position to jointly make significant contributions to the global agendas by connecting forest- related science with policy and practice on the ground. The MOU will also play significant role with regard to achieving shared goals of advancing forest sustainability including human wellbeing, climate change and biodiversity goals.

The MoU has been signed between Director General ICFRE, Dr. S.C. Gairola and President IUFRO, Dr. John Parrota.

I-NEXT
9-2-2020

फॉरेस्ट साइंटिस्ट्स ने साइन किया एमओयू

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (8 Feb.): भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) और अंतरराष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान संगठन (आईयूएफआरओ) वियना ऑस्ट्रिया के बीच 10 दिवसीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए, बताया गया कि आईयूएफआरओ 127 देशों में विस्तृत व करीब 650 सदस्य संगठनों से समृद्ध एक वैश्विक नेटवर्क है, जो दुनियाभर के 20000 साइंटिस्ट व स्पेशलिस्ट के साथ मिलकर फॉरेस्ट साइंस व लोगों को जोड़ते हुये वन विज्ञान सहोद्योग के लिए कार्य करता है. एफआरआई के अनुसार इस समझौता से औपचारिक सहयोग स्थापित करने में मदद मिलेगी. वहीं इससे दोनों ही एक दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठा सकेंगे. बताया गया है कि वानिकी से संबन्धित दोनों संगठन एक साथ वैश्विक स्तर पर विकास के लिए वन और वानिकी के योगदान को बढ़ाने, बायोडाइवर्सिटी संरक्षण व क्लाइमेट चेंज की समस्या से मुकाबला करने के साथ ही भूमिक्षरण की रोकथाम की दिशा में एक साथ काम करेंगे. इस दौरान आईसीएफआरआई के डीजी डा. एससी गैरोला, आईयूएफआरओ के डॉ. जॉन पैरोटा के बीच हस्ताक्षर हुए.

THE PIONEER
9-2-2020

ICFRE signs 10-year MoU with IUFRO

PNS ■ DEHRADUN

A ten-year memorandum of understanding (MoU) has been signed between Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun, India and International Union of Forestry Research Organisation (IUFRO), Vienna, Austria to achieve global forest sustainability.

The IUFRO is a global network for forest science cooperation inter connecting forests science and people comprising approximately 650 member organisation in 127 countries, brining together 20,000 scientists and experts from around the globe.

The MoU was signed between the ICFRE director general SC Gairola and the president of IUFRO, John Parrota.

According to the ICFRE, the MoU will establish formal collaboration and leverage their capabilities.

The two forestry organisations will work together towards enhancing contribution of forests and forestry for sustainable development, biodiversity conservation, combating climate change and land degradation globally.

The ICFRE and IUFRO are also in a position to jointly make significant contributions to the global agendas by connecting forest-related science with policy and practice on the ground.

The MoU will also play a significant role with regard to achieving shared goals of advancing forest sustainability including human wellbeing climate change and biodiversity goals.

RASHTRIYA SAHARA
9-2-2020

आईसीएफआरई व आईयूएफआरओ के मध्य एमओयू

देहरादून। वैश्विक वन स्थिरता प्राप्त करने के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) और अंतरराष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान संगठन (आईयूएफआरओ) वियना (आस्ट्रिया) के मध्य समझौता ज्ञापन हुआ है। आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. एससी गैरोला व आईयूएफआरओ के अध्यक्ष डा. जन पैरोटा ने 10 वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संबंधित संस्थानों के अधिकारियों ने कहा वानिकी से संबंधित दोनों संगठन वैश्विक स्तर पर सतत विकास हेतु वन व वानिकी के योगदान को बढ़ाने, जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की समस्या से मुकाबला करने और भूमि क्षरण की रोकथाम की दिशा में एक साथ काम करेंगे। आईयूएफआरओ 127 देशों में विस्तृत व 650 सदस्य संगठनों से समृद्ध वैश्विक नेटवर्क है। जो दुनिया के 20 हजार वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों के साथ मिलकर वन विज्ञान व इससे जुड़े उद्योगों के लिए कार्य करता है। इस समझौता ज्ञापन से औपचारिक सहयोग स्थापित होने के साथ ही दोनों महत्वपूर्ण संस्थान एक दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठा सकेंगे। वनों से संबंधित विज्ञान को नीति और क्रियान्वयन से जोड़कर वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में भी दोनों संस्थान होंगे। अधिकारियों का कहना है कि यह समझौता मानव कल्याण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता लक्ष्यों सहित वन स्थिरता को आगे बढ़ाने के साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के संबंध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

SHAH TIMES
9-2-2020

आईसीएफआरई व आईयूएफआरओ के बीच समझौता

■ ऑस्ट्रिया के वियना में समझौता ज्ञापन पर महानिदेशक आईसीएफआरई डॉ. गैरोला ने किए हस्ताक्षर

■ दोनों संस्थाएं एक दूसरे की क्षमताओं का उठा सकेंगी वैश्विक स्तर पर लाभ

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वैश्विक वन स्थिरता को प्राप्त करने के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून, भारत और अंतर्राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान संगठन (आईयूएफआरओ), वियना, ऑस्ट्रिया के बीच 7 फरवरी, 2020 को एक दस वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

आईयूएफआरओ 127 देशों में विस्तृत तथा लगभग 650 सदस्य संगठनों से समृद्ध एक वैश्विक नेटवर्क है जो दुनिया भर के 20,000 वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के साथ मिलकर वन विज्ञान और लोगों को जोड़ते हुये वन विज्ञान सहोद्योग के लिए कार्य करता है। इस समझौता ज्ञापन से औपचारिक सहयोग स्थापित करने में मदद मिलेगा और इससे दोनों ही एक दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठा सकेंगे। वानिकी से संबन्धित दोनों संगठन एक साथ वैश्विक स्तर पर सतत विकास हेतु वन और वानिकी के योगदान को बढ़ाने, जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की समस्या से मुकाबला करने और भूमि क्षरण की रोकथाम की दिशा में एक साथ काम करेंगे। आईसीएफआरई और आईयूएफआरओ, वनों से संबंधित विज्ञान को नीति और क्रियान्वयन से जोड़कर वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में भी हैं। यह समझौता मानव कल्याण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता लक्ष्यों सहित वन स्थिरता को आगे बढ़ाने के साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के संबंध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समझौता ज्ञापन पर डॉ. एस.सी. गैरोला, महानिदेशक आईसीएफआरई और डॉ. डॉन पैरोटा, अध्यक्ष, आईयूएफआरओ ने हस्ताक्षर किए।